M.A. Final (Drawing and Painting)

E – Content

Topic : Artist – Vincent Vangogh

Paper V : Theory - History and Philosophy of Modern Art

Unit-II: Post Impressionism

Prepared by : Dr. Hemlata Agarwal, Head & Associate Professor

Deptt. of Drg. & Ptg., Sri T.R.K.M., Aligarh.

Mail Id : hemlataagarwal19@gmail.com

Contect no: 9412672066

विन्सेन्ट वॉनगॉग 'Vincent Vangogh' (1853–1890)

फ्राँस को आधुनिक कला का 'मक्का' माना जाता है। आधुनिक कला की अनेक धारायें यहीं से विकसित हुईं, पिछले 100 वर्षों से अधिक फ्राँस की कला सारे संसार पर छा गयी और यहीं का हर नया कलाकार एक नई धारा के साथ सामने आया। वॉनगॉग को इन्हीं सभी कलाकारों में एक विचित्र एवं अद्भुत कलाकार था। फ्राँस में आज भी जितना इसकी कला का प्रचार–प्रसार है उतना किसी और कलाकार का नहीं। जो प्रचार और सम्मान वॉनगॉग को प्राप्त है जीवित रहते हुये उसने स्वप्न में भी ऐसा नहीं सोच पाया होगा।

जन्म से डच चित्रकार वॉनगॉग का कार्य क्षेत्र फ्रान्स ही रहा। वॉनगॉग का जीवन काल बहुत कम था, किन्तु उनकी रचनायें महान थीं। वॉनगॉग की कला व व्यक्तिगत जीवन एक–दूसरे से इतना घनिष्ठ सम्बन्ध रखते थे कि दोनों का पृथक अध्ययन नहीं किया जा सकता। वॉनगॉग छः भाइयों में सबसे बड़ा एवं भावुक हृदय था। उम्र में चार वर्ष छोटा भाई थियो ही उसकी कला एवं भावुकता को समझता था। जो चित्र विक्रेता कम्पनी में कार्य करता था और आवश्यकता होने पर आर्थिक रूप से भी वॉनगॉग की

मदद करता रहता था। वॉनगॉग के जीवन में थियो का महत्वपूर्ण स्थान था जब कभी वह निराश या परेशान होता था तो थियो को पत्र लिखा करता था। वॉनगॉग द्वारा थियो को लिखे गये आत्मीयतापूर्ण पत्रों का संग्रह हृदय को द्रवित करने वाला है। पत्रों से विन्सेन्ट के कला सम्बन्धी विचारों एवं जीवन के ध्येय को प्रभावी ढ़ंग से समझा जा सकता है। ये पत्र विन्सेन्ट की आन्तरिक तड़प व थियो के असीम प्रेम व सहनशीलता के साक्ष्य भी हैं।

वॉनगॉग ने अंग्रेजी स्कूल में शिक्षण कार्य के अतिरिक्त चित्र एवं पुस्तक विक्रेताओं की कम्पनी में भी कार्य किया। बीच–बीच में उसने चर्च सम्बन्धी ज्ञान का प्रचार–प्रसार भी किया।

19वीं शताब्दी में यूरोप में यथार्थवादी कला का बोलबाला था। लोग प्रायः मॉडल की सहायता से चित्र बनाते थे। जिनके पास धन अधिक था या, जिन्हें प्रेम करना आता था उसे ही अच्छे मॉडल मिलते थे परन्तु विन्सेन्ट वॉनगॉग इन दोनों ही बातों में पिछड़ा हुआ था। इनके पास न तो पैसा था और न ही अच्छे शक्ल–सूरत जो कोई उससे प्रेम करता और उसे एक अच्छा मॉडल मिल पाता। अतः वह इन सब बातों से कुछ समय के लिये निराश भी हुआ। परन्तु शीघ्र ही उन्होंने इस सच्चाई को समझा और इस निष्कर्ष में पहुँचा कि कला मॉडल में नहीं होती वरन् कलाकार में होती है। सुन्दरता वस्तु में नहीं बल्कि देखने वाले के नेत्रों में होती है। उसकी इस सोच का परिणाम यह हुआ कि उसने जिस भी वस्तु को देखा वह कलामय हो गई।

साधारण से साधारण वस्तु भी उसकी तूलिका चित्रित होकर एक कहानी का रूप लेती गयी। उसके ये रूप यथार्थ की नकल मात्र न होकर बोलते हुये प्रतीत होते हैं। वॉनगॉग ने मुख्य रूप से जिन विषयों को चुना उनमें उसके स्वयं के हीन भावना से ग्रस्त चित्र, कुर्सी, जूता, कमरे के अन्दर, दिन–प्रतिदिन काम में आने वाली वस्तुयें, फ्राँस के अनेक प्रतिभाशाली एवं विख्यात कलाकार आदि।

1880 से 1886 के मध्य बनाये गये वॉनगॉग के चित्रों में पूर्णतया मानवतावादी दृष्टिकोण दिखायी देता है। खान या खेत में काम करने वाले किसानों व मजदूरों के कष्टमय जीवन, अनाथालयों, गरीब बस्तियों एवं रास्तों के दृश्य उसके चित्रों के मुख्य विषय हैं। वह कोयले एवं क्रेयान से रेखांकन करता और डच चित्रकारों के समान भूरे काले एवं गहरे रंगों का प्रयोग अधिक करता था। जिससे चित्र में दुःख व निराशा के भाव प्रतीत हों। कला जीवन के प्रारम्भिक चित्रों में बनाया गया **आलूभक्षी (Potato Eaters)** इसी प्रकार का चित्र है। जो बहुत प्रसिद्ध हुआ। चित्र में निर्धन किसानों को दीपक के प्रकाश में आलू खाते हुये चित्रित किया गया है।

आलूभक्षी (Potato Eaters)

परन्तु प्रभाववादियों से परिचय के उपरान्त वॉनगॉग की कला एवं रंगसंगति में बड़ा परिवर्तन आया। नवप्रभाववादी कलाकार स्यूरा की अंकन पद्धति ने उसे विशेष रूप से प्रभावित किया। अतः डच कला के भूरे, काले एवं गहरे रंगों का स्थान प्रभाववादी विशुद्ध रंगों ने ली। जापानी मुद्रित चित्रों एवं मोजाइक कॉच की खिड़कियों की कला का प्रभाव भी वॉनगॉग की कला पर पड़ा।

रेखा, रंग एवं तूलिका स्पर्श (Brush Strockes) सम्बन्धी उसके प्रयोग, उसकी उपलब्धि माने जाते हैं जिससे उसकी रचनाओं में घनत्व, सजीवता एवं तीखापन उत्पन्न किया। अपने भाई थियो को लिखे पत्र में उसने कहा – "जो कुछ मेरी आँखों के सामने है, ठीक उसी प्रकार उसे उतारने का प्रयास करने के बजाय मैं रंग को स्वेच्छा से प्रयोग

करता हूँ ताकि मैं अपनी भावाभिव्यक्ति को अधिक सशक्त रूप से प्रस्तुत कर सकूँ।'' वॉनगॉग के इन्हीं कलात्मक गुणों की प्रशंसा करते हुये कला समीक्षक विलियम आर्पेन ने लिखा, "... But in adopting their palette and technique, van Gogh showed his own individuality by using for the separation of colour not points or patches, but fine lines of pigment, lines whipped on with extra ordinary nervous force and passion. His colour touches are so alive that they have not inaptly been described as wriggling little snakes."

वॉनगॉग द्वारा चित्रित चित्र केवल रूप न होकर साहित्य और कविता की भाँति कलाकार के कोमल हृदयएवं भावनाओं के प्रतीक बने। उनका एक–एक चित्र उनके जीवन के दृष्टिकोण का गवाह बना। अतः हम कह सकते हैं कि वॉनगॉग ने अपने चित्रों में अपने लहू से रंग भरे और विश्वास से रेखायें खींचीं। उनके चित्रों के पात्र पेड़–पौधे एवं दृश्य, चित्र की सीमा से बाहर आकर दर्शक पर छाते हुये प्रतीत होते हैं।

व्यक्तिगत रूप से उसका सारा जीवन परिस्थितियों से संघर्ष करते हुये ही बीता। बीच में चित्रकला को उसने छोड़ने की कोशिश भी की। वस्तुतः चित्रकला सदैव इसकी अभिन्न संगिनी के रूप में बनी रही और उसी से कलाकार को जीवन में संघर्ष करने का बल मिला। उसने अपने चित्रों द्वारा रुढ़ि, पाखण्डी समाज का डटकर विरोध किया। जो उसके चित्रों में स्थान–स्थान पर नजर आता है। उसने अपने चित्रों के बारे में स्वयं कहा, **"I went to paint Humanity and Humanity and again Humaniy."**

वॉनगॉग से पूर्व तथा उसके समय के प्रभाववादी कलाकार अपने चित्रों में चमकीले, भड़कीले रंगों का प्रयोग चित्र को आकर्षक बनाने के लिए करते थे। वे चित्र में सज्जा के भाव से व खरीदारों को प्रभावित करने के उद्देश्य से चित्रों की रचना करते थे। परन्तु वह पहला कलाकार था जिसने इस चलन व प्रचलन को तोड़ा। उसने चित्रों को अपनी भावनाओं के अनुसार रंग लगाया तथा जो निधि उसने प्रयोग में ली वह

उसकी मौलिक खोज थी। बारीक रंग के स्थान पर मोटे रंग का प्रयोग करके और कभी–कभी कलर के ट्यूब से सीधे ही रंग लगाता था। उसने संसार की वस्तुओं को प्राणयान या जीवन्त रहस्यमयी संगीतमयी और लयपूर्ण अवस्था में देखा, इसलिये उसके चित्रों में लगाये गये तूलिकाघात लय और संगीत प्रस्तुत करते दिखाई देते हैं। तूलिकाघातों के कारण ही चित्र की एक–एक वस्तु या आकृति चलायमान प्रतीत होती है, उसकी यह शैली एक प्रकार से उसके मस्तिष्क के संघर्ष एवं बैचेनी को प्रकट करने में सहायक है। भावों को व्यक्त करने के लिये रंगों को अनोखे ढंग से प्रस्तुत कर अपने समकालीन गॉगिन की भाँति वह भी आकृतियों को सरल बनाना चाहता था।

शैली की दृष्टि से बालकों जैसी सरल समतल, अलंकारिक एवं स्टेन ग्लास चित्रों की तरह आकृतियों का समन्वय किया। लघुचित्रों की अपेक्षा विशाल चित्रों की रचना की। खोजपूर्ण शैली का विकास किया। इसकी चित्र शैली व्यक्तिगत अनुभूतियों पर आधारित थी। वॉनगॉग ने चित्रकला क्षेत्र में सुन्दरता के दृष्टिकोण को तो सामने रखा, परन्तु बाह्य सुन्दरता को चित्रों में स्थान नहीं दिया। उसने वस्तुओं की प्रकृति, विलक्षणता व उनकी आत्मा को चित्रित करने का प्रयत्न किया। जिन चित्रों में कलाकार कोई सुन्दरता नहीं देख पाते थे उस विषयों में भी उसने अद्‌भुत सुन्दरता को देखने का प्रयास किया। और अपनी चित्रण शैली द्वारा उसे जीवित कर दिया। पेरिस के कई सुन्दर, भड़कीले होटल, रेस्टोरेंट तथा कई कैफे हाउस हैं। जिन्हें कलाकार ने चित्रित किया। परन्तु 1888 में **नाइट कैफे (Night Cafe)** नामक चित्र अब तक चित्रित चित्रों में सर्वदा भिन्न था। इस चित्र के बारे में उसने बताया कि मैं मानवता के भयंकर उद्‌वेग को लाल व हरे रंगों से चित्रित करना चाहता हूँ। इस चित्र में मैंने कमरा, तालाब पीले रंग से बनाया है चित्र के बीच में हरे रंग की कुछ मेजों के ऊपर कुछ चमकदार लैम्प जल रहे हैं, जिनमें से हरा व नारंगी प्रकाश निकल रहा है। धुँधली बत्तियों के प्रकाश में एक सुनसान बड़े से कमरे से कुर्सी व मेजों पर कुछ व्यक्ति अजीब सी चिन्ता में व्यस्त चुप–चाप बैठे हैं मानो वह

समाज की विकृति से दूर शान्ति की खोज करना चाहते हैं। लाल रंग की पृष्ठभूमि तीव्रता से जाते हुए परिप्रेक्ष्य को रोक रही है। चित्र का वातावरण बहुत ही शान्त सा प्रतीत होता है। रात का दृश्य होने के कारण प्रकाश का चित्रण भी उसी आधार पर किया गया है। यह चित्र अतियथार्थवादी कला की परिप्रेक्ष्य सम्बन्धी अवधारणा का पूर्व आभास देता है। इस दौरान बनाये गये उसके अन्य चित्र भी प्रकाश व रंगों की शक्ति को अभिव्यक्त करते हैं जिनमें **The Shower, The Pirsonyard, Harvest, Sun Flower** आदि प्रमुख हैं। **Sunflower** नामक चित्र में वॉनगॉग ने सूरज एवं सूरजमुखी के फूलों के पारलौकिक महत्व को पीले रंग के द्वारा दर्शाया है। वह स्वयं कहता है, **''मेरे सूरजमुखी के फूलों के चित्रों पर गिरजाघरों के काँच के चित्रों का प्रभाव है।''** वॉनगॉग की मृत्यु के उपरान्त उस समय दुनिया में सबसे मँहगा बिकने वाला यह पहला चित्र था।

नाइट कैफे (Night Cafe)

सूरजमुखी (Sun Flower)

इसके बारे में घटना बतायी जाती है कि एक लड़की ने इसे धोखा दिया जो कहा करती थी कि मैं तुमसे प्रेम करती हूँ परन्तु वास्तव में ऐसा नहीं था। उसने वॉनगॉग को लिखा, यदि तुम मुझसे प्रेम करते हो तो अपना कान काटकर दे दो। अत्याधिक भावुक ह्रदय होने के कारण वॉनगॉग ने ऐसा ही किया और उसे अपना कान काटकर भेज दिया। इस घटना के बाद उसने अपना दर्पण पर देखते हुए कान पर पट्टी बाँधकर

Portrait बनाया जिसका नाम उसने **Self Portrait with Bandaged Ear** रखा। उसने अपना एक अन्य व्यक्ति चित्र भी बनाया। जिसका नाम उसने **Self Portrait with Pipe** रखा।

Self Portrait with Bandaged Ear

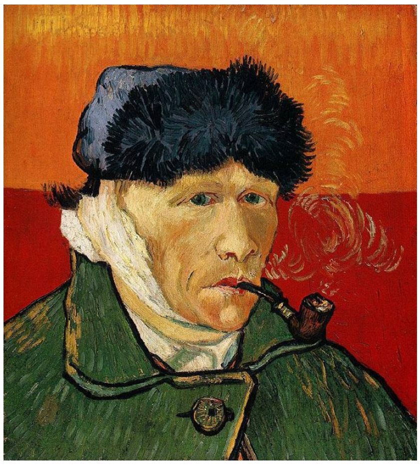

Self Portrait with Pipe

मानसिक बीमारी के कारण वह कुछ समय अस्पताल में भर्ती रहा परन्तु उसकी कला में हम कहीं भी पागलपन का प्रभाव नहीं देखते। अस्पताल में रहने के दौरान उसने अनेक 'साइप्रस वृक्ष' (Cypress Tree) को देखा। इन पेड़ों को चित्रित करने में उसने हरे व काले रंगों का प्रयोग किया। इस श्रृंखला में उसके सर्वाधिक प्रसिद्ध चित्र **Road with Cypresses** है जो उसने मई 1890 में बनाया। इन पेड़ों में उसने असंख्य धाराओं को फूटते हुए झटपटाते हुए काली लपटों के समान चित्रित किया। इन वृक्षों का चित्रण उसने इतने अलग ढंग से किया कि ये वृक्ष वॉनगॉग की व्यक्तिगत निधि (सम्पदा) लगते हैं। इन पेड़ों में उसने अपनी मनःस्थिति को दर्शाया।

इसके अतिरिक्त उसके अन्य प्रसिद्ध चित्रों में **तारों भरी रात (Starry Night)** प्रमुख है। इस अन्तरंग और विशाल दृश्य चित्र को उसने उच्च दृष्टिकोण से बनाया जिसमें एक विशाल साइप्रस का वृक्ष हमारी आँखों के सामने हिलता–डुलता दिखता है। दूर घाटी में एक गाँव, चर्च, घाटी में शान्ति से सोते हुए प्रतीत होते हैं। ऊपर आकाश में तारे व ग्रह नक्षत्र इस प्रकार घूम रहे हैं मानो अन्तिम न्याय के समय सभी विस्फोटक हो

जायेंगे। यह दृश्य अत्यन्त श्रम साध्य एवं तूलिका घातों द्वारा तैयार किया गया अभिव्यंजनावाद का अच्छा उदाहरण है जिसमें कलाकार ने बड़े–बड़े तूलिका स्पर्शों से अपने विचारों की परिशुद्धता को चित्रित किया है।

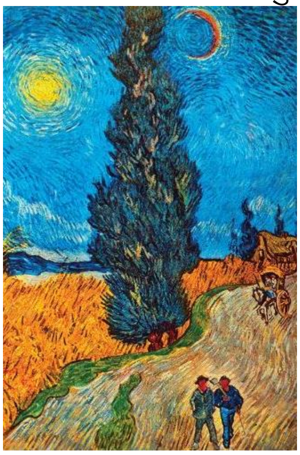

Road with Cypresses **तारों भरी रात (Starry Night)**

एक चित्र **La-bercuse** भी प्रसिद्ध चित्रों में है जिसमें एक स्त्री पालना हिलाती हुई दिखायी गई है। इसके अतिरिक्त वॉनगॉग द्वारा बनाये गये अन्य चित्र भी अपने ढंग के अनुपम उदाहरण हैं जिसमें तूलिका स्पर्श एवं रंग विन्यास के अतिरिक्त इसकी दूरदर्शिता का अंकन भी मिलता है। उसकी कला असामान्य व जनप्रिय होने के कारण सम्भव है कि उसका नाम आधुनिक कला में सदैव विख्यात रहेगा।

वॉनगॉग की कला में गहन अभिव्यक्ति होने के कारण उसे 20वीं शताब्दी में जर्मनी में उत्पन्न होने वाले अभिव्यंजनावादी आन्दोलन का जनक भी माना जाता है।

जीवन के अन्तिम दिनों में आर्ले नामक स्थान पर रहकर उसने जो कार्य किया वह कला इतिहास में अमर हो गया। इस समय किये गये अपने कार्यों से सन्तुष्टि का अनुभव करते हुये वॉनगॉग ने स्वयं कहा, ''मुझे मेरी कला द्वारा मेरी आत्मा का साक्षात्कार हुआ है। अब मेरे शरीर का कुछ भी हो मुझे चिन्ता नहीं।''

इसके अन्य प्रसिद्ध चित्रों में **Bedroom of Artist, Cross Over the Wheat Field, The Orchard, Fishing Boat on the Beach, Fountain in the Hospital Garden** आदि हैं।

प्रश्नोत्तर (Question/Answer)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Questions)

1. वॉनगॉग को किस वाद (ism) से सम्बन्धित माना जाता है?
   (अ) घनवाद (ब) फॉववाद (स) उत्तर प्रभाववाद (द) यथार्थवाद
2. किस स्थान को आधुनिक कला का मक्का माना जाता है?
   (अ) अमेरिका (ब) फ्राँस (स) इटली (द) जर्मनी
3. वॉनगॉग द्वारा चित्रित किन्हीं दो चित्रों के नाम लिखिये।
   (अ) ———————— (ब) ——————————
4. वॉनगॉग के अनुसार कला मॉडल में नहीं वरन —————— में होती है।
5. "I want to paint Humanity, humanity and again humanity." यह वाक्य किसने कहा?
6. 'Night Cafe' नामक चित्र किस कलाकार की रचना है?
   (अ) वॉनगॉग (ब) पिकासो (स) गुस्ताव कुर्बे (द) माने
7. 'Self Portrait with Bandaged Ear' नामक चित्र किस कलाकार ने बनाया?
   (अ) मातिसे (ब) वॉनगॉग (स) मोने (द) सेजान
8. वॉनगॉग के जीवन में उसके छोटे भाई का विशेष योगदान रहा। उसका नाम क्या था?
9. साइप्रस वृक्ष (Cypress Tree) किस कलाकार के चित्रों की निजी विशेषता रहे?
   (अ) पिकासो (ब) दिलाक्रा (स) वॉनगॉग (द) दामिये

10. वॉनगॉग की अभिव्यंजनात्मक प्रवृत्ति ने किस आगामी कला आन्दोलन को प्रभावित किया?

(अ) घनवाद (ब) फॉववाद (स) अभिव्यंजनावाद (द) दादावाद

उत्तरकुंजी : 1. (स); 2. (ब); 3 – तारों भरी रात, आलूभक्षी; 4. कलाकार, 5. वॉनगॉग; 6. (अ); 7 (ब); 8. थियो; 9. (स); 10. (स)

लघुउत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)

1. वॉनगॉग के चित्र 'तारों भरी रात' (Starry Night) की व्याख्या प्रस्तुत कीजिये।
2. सूरजमुखी (Sunflower) नामक चित्र में चित्रकार ने क्या दर्शाने का प्रयास किया है?
3. ''वॉनगॉग ने अपने चित्रों में लहू से रंग भरे और विश्वास से रेखायें खींचीं।'' कथन को स्पष्ट कीजिये।
4. वॉनगॉग के चित्र नाइट कैफे (Night Cafe) का वर्णन कीजिये।
5. वॉनगॉग के चित्र आलूभक्षी (Potato Eaters) के बारे में संक्षेप में लिखिये।
6. साइप्रस वृक्षों (Cypress Trees) का चित्रण किस प्रकार वॉनगॉग की निजी निधि माने जाते हैं। स्पष्ट कीजिये।

.

दीर्घउत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

1. "I want to paint humanity and humanity and again humanity." वॉनगॉग के इस कथन का क्या तात्पर्य है? उसके चित्रों एवं जीवन के आधार पर विवेचना कीजिये।
2. 'तारों भरी रात' (Starry Night) नामक चित्र में कलाकार ने किस प्रकार अपने को अभिव्यक्त करने का प्रयास किया है? विवेचना कीजिये।

3. वॉनगॉग की कला शैली उसके मस्तिष्क के संघर्ष एवं बैचेनी को प्रकट करने में सहायक है। इस कथन की पुष्टि उसके चित्रों के आधार पर कीजिए।

Books:

1. आधुनिक चित्रकला- .राजेंद्र बाजपेयी
2. आधुनिक चित्रकला का इतिहास -र वि सांखलकर
3. Vangogh: - Text by Robert Gold Water
4. Vangogh: -Pierre cabanne
5. The Age of the Impressionists: - Denis Thomas
6. Art in Society- A guide to the visual arts: -Trewin Capplestone
7. Great masterpieces of World Art- D M Field